

### कविता का सारांश

इस कविता में कवि ने दो पौधों या फूलों का उदाहरण देकर यह समझाने की कोशिश की है कि एक जैसी परवरिश, वातावरण और संसाधनों के बावजूद भी हर व्यक्ति या वस्तु का व्यवहार अलग होता है।

दोनों पौधे एक ही जगह उगते हैं, एक ही पौधे से पोषण पाते हैं, उन पर एक जैसी चाँदनी, वर्षा और हवा का असर होता है। फिर भी, एक पौधा काँटे उगाता है जो दूसरों को चोट पहुँचाता है, जबकि दूसरा फूल बनकर तितलियों और भौरों को प्रेम से आकर्षित करता है और अपनी सुगंध से सबको खुश करता है।

कवि अंत में यह संदेश देता है कि केवल अच्छे कुल (परिवार या जाति) में जन्म लेना ही महानता की पहचान नहीं है, बल्कि महानता तो व्यक्ति के गुणों और व्यवहार से पहचानी जाती है।

### शब्दार्थ:

• <b>जनम लेते</b>	:-	जन्म लेते, पैदा होते	• <b>फाड़ देता</b>	:-	चीर देता, तोड़ देता
• <b>पालता</b>	:-	पालन करता, संभालता	• <b>बसन</b>	:-	वस्त्र, परिधान
• <b>चमकता</b>	:-	दमकता, उजाला फैलाता	• <b>पर</b>	:-	पंख
• <b>चाँदनी</b>	:-	चंद्रप्रकाश, चाँद की रोशनी	• <b>कतर</b>	:-	काट देता
• <b>मेह</b>	:-	वर्षा, बारिश	• <b>भौर</b>	:-	भंवरा
• <b>हवाएँ बही</b>	:-	पवन चली, वायु प्रवाहित हुई	• <b>अनूठा रस</b>	:-	अद्भुत या अनोखा रस
• <b>सदा</b>	:-	लगातार, निरंतर	• <b>निज</b>	:-	अपनी
• <b>ढंग</b>	:-	तरीका, स्वभाव	• <b>सुर शीश</b>	:-	भगवान का सिर
• <b>छेद कर</b>	:-	चुभाकर, भेद कर	• <b>कुल</b>	:-	परिवार
			• <b>बड़प्पन</b>	:-	महानता

### कवि परिचय

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' एक प्रसिद्ध हिंदी कवि थे, जिनका जन्म उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में हुआ था। उनकी कविताएँ सरल और बच्चों के लिए रोचक होती थीं। उन्होंने बच्चों के लिए कई कविता-संग्रह लिखे, जैसे चंद्र-खिलौना और खेल-तमाशा। उनकी सबसे मशहूर रचना प्रियप्रवास है, जिसे हिंदी का पहला खड़ी बोली महाकाव्य माना जाता है। उनकी कविता फूल और काँटा कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक मल्हार में शामिल है।

## सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार पुनः ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) कविता में ऐसी कौन-कौन सी समानताओं का उल्लेख किया गया है जो सभी पौधों पर समान रूप से लागू होती हैं?

उत्तर: कविता में निम्नलिखित समानताओं का उल्लेख किया गया है जो सभी पौधों पर एक समान रूप से लागू होती हैं—

- सभी पौधे एक ही जगह जन्म लेते हैं।
- सभी को एक ही पौधा पालता है।
- उन पर एक जैसा चाँद चमकता है और एक जैसी चाँदनी बिखेरता है।
- उन पर एक जैसी वर्षा होती है।
- सभी पर एक जैसी हवा बहती है।

(ख) आपको फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य रूप से कौन-सा अंतर दिखाई दिया?

उत्तर: फूल का स्वभाव कोमल, मधुर और आनंद देने वाला है। वह तितलियों और भौरों को अपनी सुगंध और रस से आकर्षित करता है।

जबकि काँटे का स्वभाव कठोर और हानिकारक है — वह उँगलियाँ चुभाता है, वस्त्र फाड़ देता है, और तितलियों तथा भौरों को नुकसान पहुँचाता है।

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: कविता का मुख्य संदेश यह है कि सिर्फ अच्छे कुल या माहौल में जन्म लेना ही व्यक्ति को श्रेष्ठ नहीं बनाता। असली बड़प्पन व्यक्ति के स्वभाव, गुण और कर्मों में होता है। जैसे फूल और काँटे एक जैसी परिस्थितियों में पनपते हैं, पर दोनों का स्वभाव अलग होता है — उसी तरह अच्छे गुणों और व्यवहार से ही व्यक्ति की पहचान बनती है।

(घ) “किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।” उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर: इस पंक्ति का अर्थ है कि यदि व्यक्ति में अच्छे गुण नहीं हैं, तो उसके अच्छे कुल की प्रशंसा भी व्यर्थ है।

उदाहरण: अगर कोई राजघराने में जन्मा व्यक्ति दूसरों के साथ बुरा व्यवहार करता है, घमंडी होता है और गलत काम करता है, तो लोग उसकी आलोचना ही करेंगे। इसके विपरीत, एक साधारण परिवार से आया व्यक्ति यदि ईमानदार, दयालु और मेहनती हो, तो सभी उसकी सराहना करेंगे।

(ङ) “है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर।” लोग कैसे स्वभाव के व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं और कैसे स्वभाव वाले व्यक्तियों से दूर रहना पसंद करते हैं?

उत्तर: अच्छा स्वभाव और मधुर व्यवहार ही लोगों को प्रिय बनाता है।

- लोग उन व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं जो विनम्र, मददगार, मधुर बोलने वाले और दूसरों को आनंद देने वाले होते हैं — जैसे फूल।
- वहीं, जो व्यक्ति कटु बोलते हैं, दूसरों को चोट पहुँचाते हैं या अहंकारी होते हैं, उनसे लोग दूर रहना पसंद करते हैं — जैसे काँटा।

## कविता 'फूल और काँटा' का सार:

कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविता \*‘फूल और काँटा’\* में फूल और काँटे के माध्यम से जीवन का गहरा संदेश दिया गया है। कवि बताते हैं कि फूल और काँटा एक ही पौधे पर पैदा होते हैं, समान वातावरण में पलते हैं, फिर भी उनके स्वभाव बिल्कुल अलग होते हैं। काँटा लोगों को चुभता है, नुकसान पहुँचाता है, जबकि फूल अपनी सुंदरता, सुगंध और कोमलता से सबको प्रसन्न करता है।

कविता यह संदेश देती है कि जन्म और कुल से नहीं, बल्कि व्यक्ति के **गुणों और व्यवहार** से उसकी पहचान बनती है। हमें जीवन में फूल जैसे **सद्गुणी और दूसरों को सुख देने वाले** बनना चाहिए, न कि काँटे जैसे **हानिकारक और कष्ट देने वाले**।

### **अनुमान और कल्पना से**

**अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—**

**(क) कल्पना कीजिए कि चाँदनी, हवा और मेघ केवल एक पौधे पर बरसते हैं। बाकी पौधे इन सबके बिना कैसे दिखेंगे और उनके जीवन पर इसका क्या प्रभाव होगा?**

**उत्तर:** अगर चाँदनी, हवा और वर्षा केवल एक पौधे को मिलें, तो बाकी पौधे सूखे, कमजोर और मुरझाए हुए दिखेंगे। उनका विकास रुक जाएगा और वे जल्दी मुरझा सकते हैं। इससे पता चलता है कि जीवन में सभी को समान अवसर और संसाधन मिलने चाहिए।

**(ख) यदि सभी पौधे एक जैसे होते तो दुनिया कैसी लगती?**

**उत्तर:** अगर सभी पौधे एक जैसे होते, तो दुनिया बहुत एकरस, नीरस और बोरिंग लगती। न तो विविध रंग होते, न आकार, न कोई विशेषता। हर जगह एक ही जैसा दृश्य होता। इसलिए प्रकृति की विविधता ही इसे सुंदर और रोचक बनाती है।

**(ग) यदि काँटे न होते और हर पौधा केवल फूलों से भरा होता तो क्या होता?**

**उत्तर:** यदि काँटे न होते, तो कुछ पौधों की रक्षा करना मुश्किल हो जाता। काँटे कई बार जानवरों या शत्रुओं से पौधे की रक्षा करते हैं। केवल फूल होने पर पौधे सुंदर तो लगते, लेकिन शायद अधिक नाजुक और असुरक्षित हो जाते।

**(घ) कल्पना कीजिए कि एक तितली काँटे से मित्रता करना चाहती है, उनके बीच कैसा संवाद होगा?**

**उत्तर:** संवाद रूप में

- तितली: "काँटे भाई, क्या हम मित्र बन सकते हैं?"
- काँटा: "मैं तो डरता हूँ कि मेरी नुकीली बातों से तुमको दुख न हो जाए।"
- तितली: "अगर तुम थोड़ा कोमल व्यवहार करो, तो हम अच्छे मित्र बन सकते हैं।"
- काँटा: "ठीक है, मैं कोशिश करूँगा कि अपने स्वभाव को थोड़ा बदल सकूँ।"
- यह संवाद हमें सिखाता है कि हर स्वभाव में बदलाव संभव है यदि इच्छा हो।



(ड) कल्पना कीजिए कि आपको किसी काँटे, फूल या दोनों के गुणों के साथ जीवन जीने का अवसर मिलता है। आप किसके गुणों को अपनाना चाहेंगे? कारण सहित बताइए।

**उत्तर:** मैं फूल के गुणों को अपनाना चाहूँगा, क्योंकि वह कोमलता, सौंदर्य और दूसरों को खुशी देने का प्रतीक है। वह बिना किसी स्वार्थ के सुगंध और सुंदरता बाँटता है।

हालाँकि कभी-कभी काँटे जैसे गुण भी ज़रूरी होते हैं — जैसे आत्मरक्षा और दृढ़ता। इसलिए मैं दोनों के संतुलित गुण अपनाना चाहूँगा — फूल की कोमलता और काँटे की हिम्मत।

## पाठ से आग

### आपकी बात

(क) यदि आपको फूल और काँटे में से किसी एक को चुनना हो तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

**उत्तर:** मैं फूल चुनूँगा। क्योंकि:

- फूल सुंदरता, सुगंध, और आनंद का प्रतीक है। यह दूसरों को खुशी देता है और तितलियों-भौरों को आकर्षित करता है।
- फूल की तरह मैं भी अपने व्यवहार से दूसरों के जीवन में सुख और प्रसन्नता लाना चाहता हूँ।
- फूल कोमलता और प्रेम का प्रतीक है, जो मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

विश्लेषण: फूल का सकारात्मक प्रभाव मुझे प्रेरित करता है, हालाँकि काँटे की मजबूती भी ज़रूरी है।

(ख) कविता में बताया गया है कि फूल अपनी सुगंध और व्यवहार से चारों ओर प्रसन्नता और आनंद फैलाता है। आप अपने मित्रों या परिवार के जीवन में प्रसन्नता और आनंद लाने के लिए क्या-क्या करते हैं और क्या-क्या कर सकते हैं?

**उत्तर:** मैं जो करता हूँ:

- मैं अपने दोस्तों के साथ मजेदार कहानियाँ और चुटकुले साझा करता हूँ।
- परिवार में मैं छोटे-छोटे काम, जैसे माँ की मदद करना या भाई-बहन के साथ खेलना, करता हूँ।
- मैं सबके साथ प्यार से बात करता हूँ और उनकी परेशानियों को सुनता हूँ।

मैं जो कर सकता हूँ:

- मैं अपने दोस्तों के लिए छोटे-छोटे उपहार, जैसे हस्तनिर्मित कार्ड, बना सकता हूँ।
- परिवार के साथ समय बिताने के लिए पिकनिक या खेल की योजना बना सकता हूँ।
- स्कूल में किसी की मदद करके, जैसे नोट्स साझा करके, उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकता हूँ।

विश्लेषण: छोटी-छोटी चीजें, जैसे प्यार और सहयोग, दूसरों को खुशी दे सकती हैं।

(ग) 'फूल' और 'काँटे' एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न हैं फिर भी साथ-साथ पाए जाते हैं। अपने आस-पास से ऐसे अन्य उदाहरण दीजिए।

## उत्तर:

- वस्तुएँ: नमक और चीनी—नमक नमकीन होता है, चीनी मीठी। दोनों अलग स्वाद के हैं, लेकिन रसोई में साथ पाए जाते हैं।
- स्वभाव: शांत और क्रोधी—कुछ लोग शांत रहते हैं, कुछ जल्दी गुस्सा करते हैं, फिर भी एक ही परिवार में रहते हैं।
- स्वाद: खट्टा और मीठा—खट्टे नींबू और मीठे आम अलग स्वाद देते हैं, लेकिन दोनों फल एक ही बगीचे में उगते हैं।
- रंग: काला और सफेद—काला गहराई दिखाता है, सफेद शांति, लेकिन दोनों रंग एक चित्र में साथ दिखते हैं।
- अनुभव: सुख और दुख—सुख हमें खुशी देता है, दुख हमें सिखाता है, लेकिन दोनों जीवन का हिस्सा हैं।

विश्लेषण: ये उदाहरण दिखाते हैं कि विपरीत चीजें साथ-साथ रहकर जीवन को संतुलित बनाती हैं।

**(घ) “छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर बसन।” आप अपने आस-पास की किसी समस्या का वर्णन कीजिए जिसे आप ‘काँटे’ के समान महसूस करते हैं। उस समस्या का समाधान भी सुझाइए।**

**उत्तर:** समस्या: मेरे स्कूल के रास्ते में बहुत सारा कचरा बिखरा रहता है। यह ‘काँटे’ की तरह है, क्योंकि यह गंदगी फैलाता है, पैर में चुभ सकता है, और बीमारियाँ फैला सकता है।

**समाधान:**

- मैं और मेरे दोस्त मिलकर एक सफाई अभियान शुरू कर सकते हैं।
- स्कूल में एक कचरा प्रबंधन समिति बना सकते हैं, जो नियमित सफाई कराए।
- लोगों को जागरूक करने के लिए पोस्टर बना सकते हैं, जिसमें कचरा न फैलाने की अपील हो।

विश्लेषण: यह समस्या पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती है, लेकिन सामूहिक प्रयास से इसे हल किया जा सकता है।

## पाठ से आगे

### I. बहुविकल्पीय प्रश्न। (प्रत्येक प्रश्न के लिए सही विकल्प चुनिए।)

#### 1. कविता में फूल और काँटे के बारे में क्या बताया गया है?

- a) दोनों एक ही पौधे पर उगते हैं।
- b) दोनों अलग-अलग पौधों पर उगते हैं।
- c) दोनों एक जैसे कार्य करते हैं।
- d) दोनों में कोई अंतर नहीं है।

**सही उत्तर:** a) दोनों एक ही पौधे पर उगते हैं।

**व्याख्या:** कविता बताती है कि फूल और काँटा एक ही पौधे पर उगते हैं और एक ही चाँदनी व मेघ से पोषण पाते हैं।

#### 2. फूल तितलियों और भौरों के लिए क्या करता है?

- a) उन्हें चोट पहुँचाता है
- b) उन्हें अपनी गोद में बिठाता है और रस पिलाता है।
- c) उन्हें डराता है।
- d) उनके पर काटता है।

**सही उत्तर:** b) उन्हें अपनी गोद में बिठाता है और रस पिलाता है।

**व्याख्या:** फूल तितलियों को गोद में लेता है और भौरों को अपना अनूठा रस पिलाता है।

#### 3. काँटा किसे चोट पहुँचाता है?

- a) फूल को
- b) पौधे को
- c) उँगलियों और भौरों को
- d) चाँद को।

सही उत्तर: c) उँगलियों और भौरों को

व्याख्या: काँटा उँगलियों को छेदता है, तितलियों के पर काटता है, और भौरों के शरीर को बेधता है।

4. कविता में फूल को किसके प्रतीक के रूप में दिखाया गया है?

- a) दुःख और कष्ट का
- b) सुंदरता और सौम्यता का
- c) क्रोध और हिंसा का
- d) कमजोरी का

सही उत्तर: b) सुंदरता और सौम्यता का

व्याख्या: फूल अपनी सुगंध और रंगों से सुंदरता और सौम्यता फैलाता है।

5. कविता का मुख्य संदेश क्या है?

- a) फूल और काँटा दोनों समान हैं
- b) कुल की बड़ाई से अधिक व्यक्ति का बड़प्पन मायने रखता है।
- c) काँटे अधिक महत्वपूर्ण हैं
- d) जीवन में केवल सुख होना चाहिए।

सही उत्तर: b) कुल की बड़ाई से अधिक व्यक्ति का बड़प्पन मायने रखता है।

व्याख्या: कविता सिखाती है कि एक ही मूल से होने के बावजूद व्यक्ति का स्वभाव और गुण उसे विशेष बनाते हैं।

## II. रिक्त स्थान भरें। (नीचे रिक्त स्थानों में सही शब्द लिखिए।)

- 1. कविता में फूल और काँटे की तुलना \_\_\_\_\_ से की गई है। उत्तर: जीवन के संघर्षों  
व्याख्या: फूल और काँटे का चित्रण जीवन के संघर्षों के रूप में किया गया है।
- 2. फूल \_\_\_\_\_ को अपनी सुगंध से आकर्षित करते हैं। उत्तर: तितलियाँ और भौरें  
व्याख्या: तितलियाँ और भौरें फूलों से आकर्षित होते हैं।
- 3. कविता में कहा गया है कि काँटा \_\_\_\_\_ कर देता है। उत्तर: उँगलियों में छेद  
व्याख्या: काँटा उँगलियों में छेद कर चोट पहुँचाता है।
- 4. फूल की सुगंध और रंग \_\_\_\_\_ को अपनी ओर खींचते हैं। उत्तर: तितलियाँ और भौरें  
व्याख्या: फूल अपनी रंग-बिरंगी पंखुड़ियों और सुगंध से तितलियों और भौरों को आकर्षित करते हैं।

## III. अति-लघु उत्तर प्रश्न। (प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए।)

- 1. फूल और काँटे के बारे में क्या दिखाया गया है?  
उत्तर: फूल और काँटे के कार्य अलग-अलग होते हैं, फूल शांति और सुंदरता फैलाता है जबकि काँटा कष्ट और दुःख देता है।
- 2. काँटा क्या करता है?  
उत्तर: काँटा किसी की उँगलियों को छेदता है और उसे चोट पहुँचाता है।
- 3. फूलों की सुगंध और रंग किसे आकर्षित करते हैं?  
उत्तर: फूलों की सुगंध और रंग तितलियों और भौरों को आकर्षित करते हैं।
- 4. कविता में फूल और काँटे के बीच क्या अंतर बताया गया है?  
उत्तर: फूल सौम्यता और शांति फैलाता है, जबकि काँटा कष्ट और दुःख देता है।

5. फूल और काँटे के विषय में कवि क्या सिखाना चाहते हैं?

उत्तर: कवि यह सिखाना चाहते हैं कि जीवन में दोनों पक्ष होते हैं—सुख और दुःख, दोनों का सामना करना होता है।

IV. लघु उत्तर प्रश्न। (प्रश्नों के उत्तर 2-3 पंक्ति में दीजिए।)

1. कविता में फूल और काँटे को एक ही पौधे पर क्यों दिखाया गया है?

उत्तर: फूल और काँटा एक ही पौधे पर उगते हैं ताकि यह दिखाया जाए कि एक ही मूल से होने के बावजूद उनके गुण अलग-अलग हैं। यह जीवन में व्यक्तिगत स्वभाव की महत्ता को दर्शाता है।

2. फूल के सकारात्मक गुण क्या हैं?

उत्तर: फूल अपनी सुगंध और रंगों से तितलियों और भौरों को आकर्षित करता है, उन्हें रस देता है, और सुंदरता व शांति फैलाता है।

3. काँटे का नकारात्मक प्रभाव क्या है?

उत्तर: काँटा उँगलियों को छेदता, तितलियों के पर काटता, और भौरों को चोट पहुँचाता है, जो कष्ट और दुःख का प्रतीक है।

4. कविता में चाँद और मेघ की क्या भूमिका है?

उत्तर: चाँद और मेघ फूल और काँटे पर एक समान चाँदनी और बारिश बरसाते हैं, यह दिखाने के लिए कि दोनों को समान पोषण मिलता है।

5. कविता का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: कविता सिखाती है कि व्यक्ति का बड़प्पन उसके गुणों और कार्यों से तय होता है, न कि उसके कुल या परिस्थितियों से।

V. मिलान कीजिए। (Column A को Column B से मिलाएँ।)

Column A	Column B
1. फूल और काँटे का पोषण	a. सुंदरता और सौम्यता का प्रतीक
2. फूल का गुण	b. उँगलियों को छेदना और पर काटना
3. काँटे का कार्य	c. एक ही पौधा, चाँदनी, और मेघ
4. कविता का संदेश	d. व्यक्ति का बड़प्पन
5. काँटे का प्रभाव	e. कष्ट और दुःख का प्रतीक

उत्तर-मिलान: 1-c, 2-a, 3-b, 4-d, 5-e